स्वागत की मालाएं अभी गले तक पहुंची भी नहीं थी कि कुर्सी खिसक गई

कांग्रेसियों के हर्ष का हुआ विसर्जन, कल पदाधिकारियों की लिस्ट जारी हुई, आज निरस्त हो गई

शाजापुर। कांग्रेस में उत्साह और मायूसी के बीच की दूरी कितनी होती है, तो जवाब मिला - मात्र कुछ घंटों की. ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि बीते 24 घंटों में जो कांग्रेस में उठापटक हुई, वह खुद इस बात को बयां कर रही है. कांग्रेस ने कल जिलास्तरीय पदाधिकारियों की सूची जारी की, जिसके बाद पदाधिकारी ढोल-ताशों के ऑर्डर दे रहे थे और बधाई हो वाले पोस्टर्स पर अपनी फोटो की साइज एडजस्ट करवा रहे थे. आज वो सूची निरस्त होने के बाद उन पदाधिकारियों के चेहरे पर वैसी ही मायूसी है, जैसी हल्दी-मेहंदी की रस्म पूरी होने के बाद दुल्हन के भाग जाने पर दुल्हे की होती है. पदाधिकारियों के फ्लैक्स तैयार हो गए थे. सोशल मीडिया पर बधाई का तांता लग गया था, लेकिन कबीलों में बटी कांग्रेस में किसी कबीले के छर्रों के नाम नहीं आए, इस कारण सूची निरस्त कर दी गई. अब जिन कबीलों के छर्रों के नाम नहीं आए, उन छर्रों को पदों से नवाजा जाएगा और फिर नई सूची जारी की जाएगी.

गौरतलब है कि शाजापुर जिला कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित हुई, लेकिन गुटबाजी और कबीलों में बटी कांग्रेस में किसी कबीले के सरदार ने अपने छर्रों के नाम कार्यकारिणी में न होने से आपत्ति दर्ज कराई, जिससे संशोधन के नाम पर पूरी सूची ही निरस्त कर दी गई. अभी बधाई के लिए हार के फूल भी नहीं मुरझाए थे, सोशल मीडिया पर बधाई का सिलसिला शुरू ही हुआ था कि एक नया रायता ढुल गया. जो पदाधिकारी सूची में शामिल थे, उनकी खुशी कुछ दिनों के लिए अब मातम में बदल गई है. अब लोग नए सिरे से फिर नई सूची में बधाई देंगे.

ये भाजपा से कैसे मुकाबला करेंगे...

जिस पार्टी में सूची जारी होने के बाद रोक लग जाए. उसका संगठन कितना मजबूत है, ये पता चल गया है. एक तरफ संगठन बेस भाजपा है, तो दूसरी तरफ बिना फाटक की धर्मशाला बनी कांग्रेस है. मंचों पर तो नेता एक नजर आते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि जिले में मूल कांग्रेस गायब है. और नेताओं की स्वयंभू कांग्रेस मंचासीन है. जिले में कराड़ा कांग्रेस, सिकरवार कांग्रेस, जोशी कांग्रेस, कुणाल कांग्रेस, कमल चौधरी कांग्रेस, कप्तान कांग्रेस है, लेकिन मूल कांग्रेस गायब है. आखिर सूची में किस कांग्रेस नेता के समर्थकों का नाम नहीं आया और क्यों निरस्त की गई, इस पर कांग्रेसियों ने मौन धारण कर लिया है.

शुजालपुर के नेताओं के दबाव में रुकी सूची...

शुजालपुर कांग्रेस के कबीलों में कई सरदार हैं. शुजालपुर कांग्रेस के कुछ कबीलों के सरदार के दबाव में ही ये सूची रोकी गई है. क्योंकि सूची में उनके समर्थकों को जगह नहीं मिली. इस कारण सूची को निरस्त किया गया है. अब देखना यह है कि शुजालपुर के जिन नेताओं के दबाव में ये सूची रोकी गई है, उनके कितने समर्थक नई सूची में पद ले पाते हैं. वैसे कालापीपल, शाजापुर विधानसभा से सूची को लेकर कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन गुटबाजी का पर्याय बन चुकी शुजालपुर कांग्रेस नेताओं के दबाव में सूची को रोक दिया गया है.

गुटबाजी के कारण निरस्त हुई सूची...

कांग्रेस भले ही दो दशक से अधिक समय से सत्ता से बाहर है, लेकिन गुटबाजी और कबीलों में बटी कांग्रेस अभी भी सबक लेने को तैयार नहीं है. जम्बो जेट सूची जारी हुई, लेकिन किसी गुट विशेष के लोगों का नाम नहीं आने से यह सूची रोक दी गई है. यह सूची पूरे जिले में मजाक का विषय बन गई है. होना यह था कि जिन लोगों के नाम शामिल करना थे, उनकी एक नई संशोधित सूची जारी कर सकते थे, ताकि बरसों से पदों के लिए लालायित नेताओं को कम से कम एक दिन तो ठीक से बधाई मिल जाती.

इनका कहना है

सूची होल्ड की गई है. कुछ नाम और जोड़े जाएंगे. इसके बाद नई सूची जारी की जाएगी.

- नरेश्वर प्रताप, जिलाध्यक्ष-कांग्रेस

एक नजर में

कॉलेज क्लास में मनाई आदि गुरु शंकराचार्य जयंती

शुजालपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के अंतर्गत संचालित स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम सामुदायिक नेतृत्व एवं सतत विकास की नियमित कक्षा में आदि गुरु आदि गुरु शंकराचार्य का जन्म उत्सव श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ शंकराचार्य के चित्र के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया. इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में धर्म जागरण नगर संयोजक हरबान सिंह मालवीय उपस्थित रहे. ब्लॉक समन्वयक सीमा बैंडवाल ने बताया कि जन अभियान परिषद वर्षभर विभिन्न महापुरुषों की जयंती मनाकर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करता है. इसी क्रम में आदि गुरु शंकराचार्य जयंती को भी जिला स्तर पर भव्य रूप से मनाया जाएगा. मुख्य वक्ता हरबान सिंह मालवीय ने शंकराचार्य के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे महान भारतीय दार्शनिक एवं सनातन धर्म के पुनरुत्थानकर्ता थे. उन्होंने अद्वैत वेदांत का प्रचारप्रसार कर देश को आध्यात्मिक एकता के सूत्र में बांधा तथा भारत के चारों दिशाओं में मठों की स्थापना कर सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ किया. उन्होंने विद्यार्थियों से उनके जीवन एवं कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया. कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता हरिओम जौहर व आभार परामर्शदाता राजकुमार परमार ने माना. इस दौरान सहयोगी परामर्शदाता अरुणा परमार, अरविंद गुजराती, राहुल सिंह परमार सहित विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे.

महाविद्यालय में जनगणना 2027 के तहत सेल्फ, न्यूमरेशन स्टाफ ने भरे स्वगणना फॉर्म

शुजालपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शुजालपुर में जनगणना 2027 के अंतर्गत सेल्फएन्यूमरेशन स्वगणना एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफका स्वगणना फॉर्म सफलतापूर्वक भरवाया गया. कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र कुम्भकार ने स्टाफको सेल्फ न्यूमरेशन की प्रक्रिया समझाते हुए सभी से इसमें सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय कार्य में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है और डिजिटल माध्यम से स्वगणना करना आसान एवं सुविधाजनक है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने स्वयं स्वगणना फार्म भरकर कर्मचारियों व विद्यार्थियों को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. संजय कुमार प्रजापति सहायक प्राध्यापक हिंदी का विशेष योगदान रहा. इस दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्टाफ को ऑनलाइन प्रक्रिया समझाते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान किया. महाविद्यालय प्रशासन ने इसे जनजागरूकता बढ़ाने और राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण पहल बताया. कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार, स्वयंसेवकों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही.

नि:शुल्क नेत्र शिविर में 93 मरीजों की जांच

शुजालपुर। सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र द्वारा स्वर्गीय मनोहर लाल जैन एवं स्वर्गीय चंद्रकांता जैन की स्मृति में उनके सुपुत्र प्रवीण जैन, उज्ज्वल जैन परिवार के सहयोग से सोमवार को सरकारी अस्पताल के सामने निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया. शिविर में 93 मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार दिया गया. शिविर में डॉ. जसवंत यादव ने नेत्र परीक्षण किया, वहीं नेहा सोनी ने मरीजों का शुगर व बीपी परीक्षण किया. जांच के दौरान 16 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जिन्हें बाद में बस के माध्यम से सेवा सदन के नए अस्पताल एरोड्रम रोड गांधी नगर भोपाल भेजा गया. आयोजकों द्वारा सभी मरीजों के लिए नाश्ता, चाय एवं पेयजल की व्यवस्था भी की गई. भीषण गर्मी और शादी के सीजन के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीणजन आंखों की जांच कराने विजन सेंटर पहुंचे. कार्यक्रम में सेवा सदन जिला प्रभारी खुशीराम आचार्य, हरिनारायण परमार, सतीश चौधरी, शशांक जैन सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा.

कांग्रेसी नेताओं का हाल : हल्दी-मेहंदी लग गई, लेकिन फेरे से पहले भाग गई दुल्हन

पोलिटिकल इनसाइड
मनोज पुरोहित

माता पूजन हो गई, गणेश पूजन भी हो गया... पत्रिका छप गई, मंडप भी सज गया, बधाई के लिए बारात भी तैयार थी, मंगल गीत गाए जा रहे थे... जिला कांग्रेस कार्यकारिणी में जिन नेताओं को पद मिला, वे दुल्हे की तरह सजे हुए थे, कलफदार कुर्ते के साथ बधाई का तांता लगा हुआ था. कोई मुंह मीठा करा रहा था, तो कोई नेताजी के साथ सेल्फी ले रहा था. कोई दबंग कांग्रेस नेता को बधाई दे रहा था, तो कोई छोटे भाई-बड़े भाई के रूप में गले मिल रहा था. जो कार्यकारिणी में शामिल हुए थे, वे भी पद पाकर फूले नहीं समा रहे थे. गले में हार के फूल भी नहीं मुरझाए थे कि कार्यकारिणी निरस्त कर दी गई है. इस जिला कार्यकारिणी में जिन नेताओं को पद मिला था, उनका हाल उस दुल्हे जैसा हो गया, जिसे हल्दी लग गई, मेहंदी लग गई, लेकिन फेरे से पहले ही उसकी दुल्हन भाग गई. सामाजिक स्तर पर जब कोई विघ्न आता है या काम बिगड़ता है, तो उसका श्रेय समाज में फूफा को जाता है और ये सूची निरस्त होने से कांग्रेस के कई फूफा फूले नहीं समा रहे हैं. ये वो फूफा हैं, जिनके भतीजों के नाम जिला कार्यकारिणी की सूची में नहीं थे. कांग्रेस के जिन फूफाओं ने ये सूची निरस्त कराई, वे अपने भतीजों को कार्यकारिणी में लाना चाहते हैं. फूलों के जिन व्यापारियों को गेंदे की माला का ऑर्डर मिला था, वे अब कांग्रेस कार्यालय के बाहर धरना देने की सोच रहे हैं. आखिर ये बिना पहनाई गई मालाएं अब किस काम आएंगी. कल रात जो लोग फेसबुक पर अग्रिम बधाई के कमेंट्स की बाढ़ ला रहे थे, वे अब धीरे से अपने कमेंट्स डिलीट कर रहे हैं. कुछ तो ऐसे भी हैं जो अब कह रहे हैं मुझे तो पहले ही पता था कि कुछ लोचा है. शहर में रातों रात पूर्व पदाधिकारी की एक नई फौज तैयार हो गई है, जिनका कार्यकाल इतना छोटा था कि शायद उनकी कुर्सी की धूल भी साफ नहीं हो पाई थी. साहब, अभी तो हमने लड्डू का पहला डिब्बा खोला भी नहीं था कि आलाकमान ने डाइट प्लान भेज दिया. अब समझ नहीं आ रहा कि ये लड्डू खाएं या अगले आदेश तक फ्रीज में रख दें.

पटवारी की जरीब से बिगड़ा कांग्रेस नेताओं का खसरा...

कांग्रेस के पटवारी ने ऐसी जरीब डाली कि जिला कार्यकारिणी में पद पाने वाले नेताओं का राजनीतिक खसरा बिगड़ गया. सूची जारी तो हुई थी, लेकिन पटवारी ने आदेश की ऐसी जरीब डाली कि अब सूची पूर्व हो गई. हालांकि इस सूची में वाकई में पदों की बंदरबांट की गई थी.

लुटेरी दुल्हन की तरह गायब हो गई सूची

जिस प्रकार लुटेरी दुल्हन शादी करती है, खर्चा भी करा लेती है, लेकिन सुहागरात के दिन माल समेटकर भाग जाती है. कुछ ऐसा ही हाल जिला कांग्रेस कार्यकारिणी में उन नेताओं का हुआ, जो उपाध्यक्ष, महासचिव बनकर बधाई कबूल ही कर रहे थे. कुर्ते का कलफ भी नहीं उतरा था और इस भीषण गर्मी में सांफा बांधकर गले में हार पहनकर सोशल मीडिया पर फोटो ही आए थे कि एक आदेश आया कि सभी नियुक्तियां रोक दी गई हैं. तो इन नेताओं की स्थिति उसी लुटे दुल्हे जैसी हो गई, जिसे लूटकर लुटेरी दुल्हन गायब हो जाती है.

अंत में...

जिला कांग्रेस की कार्यकारिणी को देखकर ऐसा लग रहा था किसी को पूरा हलका दे दिया, तो किसी को पूरी तरह हल्का कर दिया. इसीलिए कांग्रेस के पटवारी ने जरीब खींचकर नेताओं का सीमांकन कर दिया.

आगर-सारंगपुर रोड पर ट्रक पलटा, बाइक चपेट में आई, दोनों वाहन जलकर हुए खाक

शाजापुर। जिले के मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत आगर सारंगपुर रोड पर एक बड़ा हादसा हो गया. कुमारिया पाल के पास एक ट्रक का संतुलन बिगड़ने से वह पलट गया और उसकी चपेट में एक बाइक भी आ गई. घटना सोमवार दोपहर करीब 3 बजे की है. हादसे के तुरंत बाद ट्रक में अचानक आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग दहशत में आ गए. इस घटना में ट्रक का अगला हिस्सा और बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई. सूचना मिलते ही मोहन बड़ोदिया थाना पुलिस की डायल 112 टीम से पायलट राजपाल सिंह और पुलिसकर्मी शिवचरण दांगी मौके पर पहुंचे. इसके बाद सारंगपुर से दमकल की गाड़ी भी बुलाई गई. दमकल टीम ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन पानी खत्म हो जाने के कारण ट्रक में फिर से आग भड़क उठी. स्थिति को देखते हुए दमकल टीम दोबारा पानी भरकर लौटी और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. बताया जा रहा है कि ट्रक में मुर्गी का दाना भरा हुआ था और वह घोंसला से सारंगपुर की ओर जा रहा था. फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है.

गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गो भक्तों ने निकाली शोभायात्रा

गो सम्मान के नारे लिखे हुए तख्तियां लेकर सौंपा प्रार्थना पत्र

आगर। गौ सम्मान आव्हान अभियान के अंतर्गत समस्त गौ भक्त पुरानी कृषि उपज मंडी से बैंड बाजो के साथ गौ भजनों और गौ माता के जयकारे लगाते हुए नगर के विभिन्न मार्गो से निकले. इस शोभायात्रा में गो भक्त हाथों में गो सम्मान के नारे लिखे हुए तख्तियां लेकर चल रहे थे, साथ ही दिए जाने वाले प्रार्थना पत्र को भाई प्रवीण मूंदड़ा ने अपने भी सिर पर लाल कपड़े में लपेटकर धारण कर रखा था वे नंगे पैर चल रहे थे. गौ माता भी इस यात्रा में साथ में चल रही थी शोभायात्रा कलेक्टर कार्यालय पहुंची, जहां प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल महोदय के नाम एक प्रार्थना पत्र दिया गया. जिसमें वेदलक्षणा गो माता देशी गोवंश की विधिवत सेवा पूर्ण सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करने हेतु केंद्रीय कानून बनाने एवं गोपालन मंत्रालय की स्थापनाकी बात कही.

प्रधानमंत्री को संबोधित प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि आपने श्री राम मंदिर निर्माण एवं जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने जैसे ऐतिहासिक कार्य को अंजाम दिया है आपके पंच प्राण के संकल्प में अपनी विरासत पर गर्व एक मुख्य स्तंभ है जिसमें देशी गोवंश हमारी संस्कृती और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक है. जब तक गौ माता असुरक्षित है तब तक हमारी सांस्कृतिक पूर्णता अधूरी है आपने विश्वनाथ धाम और महाकाल लोक के माध्यम से भारत की आध्यात्मिक आभा को पुनर्जीवित किया है. आज देश के समस्त सनातनी गौ भक्त कार्यकर्ताओं जागरूक नागरिकों एवं संत समाज की ओर से विनम्र निवेदन है की वर्तमान में भारतीय गौवंश की स्थिति अत्यंत पीड़ा दायक है तस्करी वध एवं सड़कों पर उनके दुर्दशा देखकर प्रत्येक भारतीय का हृदय विदिर्न है. आज संपूर्ण राष्ट्र को आपसे गोवंश के सम्मान सुरक्षा और सेवा की प्रतीक्षा है गोवंश आस्था का विषय ही नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धूरी भी है. एकीकृत केंद्रीय कानून एवं स्वतंत्र मंत्रालय संवैधानिक सर्वोच्चता देशी गोवंश को राष्ट्रमाता या राष्ट्र आराध्या के रूप में संवैधानिक मान्यता प्रदान करें तथा गो तस्करी और गोवध के लिए कठोर दंडात्मक प्रावधान हो. आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए पंचगव्य आधारित अर्थव्यवस्था हो, विकास के बुनियादी ढांचे में पंचायत स्तर पर नंदी शाला एवं आदर्श गौअभ्यारण की स्थापना अनिवार्य हो. राजमार्ग सुरक्षा एवं चिकित्सा के लिए राजमार्गों पर सुसज्जित को गोवाहिनी एंबुलेंस एवं डेढ़ सौ से 200 किलोमीटर के अंतराल पर आधुनिक ट्रामा सेंटरकी व्यवस्था हो ताकि दुर्घटना ग्रस्त गोवंश को तत्काल उपचार मिले. शिक्षा एवं सामाजिक सुधार के लिए स्कूली पाठ्यक्रमों में गो विज्ञान को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाए. एकीकृत चारा एवं गोचर संरक्षण नीति एक सुधार चारा सुरक्षा कानून एवं समस्त गोचर ओरण और वन भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कर गोचर विकास बोर्ड के आधीन आरक्षित किया जाए. जिससे गोवंश के वर्ष भर गोचारण की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके. इसके साथ ही यह कहा गया की गोवंश संरक्षण केवल आस्था का विषय नहीं बल्कि कृषि पर्यावरण अर्थव्यवस्था एवं सतत विकास से जुड़ा एक राष्ट्रीय विषय है जल्द सरकार गौ माता को न्याय दिलाए एवं इन सब बिंदुओं पर गंभीरता पूर्वक विचार कर आवश्यक नीतिगत एवं विधिक निर्णय शीघ्र लें. इस अवसर पर काशीराम आर्य, राजेश देसाई, डॉ. गणपत चौधरी, रुघनाथ सिंह आर्य, रतन सिंह पटेल, राघुसिंह चौहान, कैलाश माहेश्वरी, सत्यनारायण अटल, राधेश्याम विश्वकर्मा, ब्रजेश सेठी, ओम गोयल, महेश माहेश्वरी, संजय जायसवाल, सतीश विश्वकर्मा, संगीता देसाई मिश्रा, दीपाली पालीवाल, मोनिका शर्मा, आशा पालीवाल, ुनील शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा, मनीष सोलंकी, मुकेश गिरी, सुधीर भाई जैन, रामचंद्र कसेरा, रमेश अटल, बलवंत बोड़ाना, राजेश मेठी, नरेन्द्र मालानी, राम प्रसाद अटल, भगवान सिंह, सुरेंद्र पुरोहित, रमन जैन, महेंद्र माहेश्वरी, जितेन्द्र भंडारी सहित समाज जन उपस्थित थे. ज्ञापन का वाचन प्रमोद जोशी ने किया संचालन राजेंद्र कारपेंटर ने किया.

एक नजर में | **मप्र जन अभियान परिषद ने मोहन बड़ोदिया ब्लॉक के विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए लगाए पानी के सकोरे**

जल है तो कल है : जीवों के प्रति संवेदना का अनुपम उदाहरण...

शाजापुर। मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास क्षमता पाठ्यक्रम, ब्लॉक मोहन बड़ोदिया की कक्षा में आज विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए पानी हेतु सकोरे स्थापित किए गए.

भीषण गर्मी के इस मौसम में नन्हे परिंदों के लिए यह सेवा कार्य न केवल मानवता का संदेश देता है, बल्कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी बोध कराता है. जल है तो कल है, जल ही जीवन है, के संदेश के साथ आयोजित इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में जिला समन्वयक विष्णु प्रसाद नागर, एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं तथा परामर्शदाता श्रीमती कामिनी शर्मा, सोना राजपूत, महेश सिसौदिया एवं अशोक बैरागी उपस्थित रहे.

जल के महत्व पर प्रकाश डाला

इस अवसर पर जिला समन्वयक श्री नागर ने जल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानव जीवन में परोपकार और अन्य जीवों की रक्षा का विशेष महत्व है. उन्होंने सभी उपस्थितजनों को अपने-अपने क्षेत्र में ऐसे सेवा कार्य करने के लिए प्रेरित किया. साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि आइए, हम सभी मिलकर जल संरक्षण और जीव संरक्षण के इस पुनीत अभियान में सहभागी बनें.